# बी॰एड॰ (द्विवर्षीय) पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा

## आयोजक : लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

### उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों एवं उनसे सम्बद्ध,

### सहयुक्त तथा घटक महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2021–23 में प्रवेश हेतु निर्देशिका

1 **बी॰एड॰ (द्विवर्षीय) प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता निम्नवत है**

1.1 **विज्ञान/सामाजिक–विज्ञान/मानविकी–वर्ग *** में सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग हेतु न्यूनतम 50% (पचास प्रतिशत) अंकों के साथ विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय की स्नातक उपाधि अथवा स्नातकोत्तर उपाधि। **बी॰ई॰ एवं बी॰टेक॰ (अभियाँत्रिकी) में गणित एवं विज्ञान में विशेषज्ञता** वाले छात्रों के लिये न्यूनतम 55% (पचपन प्रतिशत) अंकों के साथ अथवा उपरोक्त के समतुल्य कोई अन्य अर्हता वाले अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अर्ह हैं।

1.2 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों हेतु विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय की स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि उत्तीर्ण अथवा गणित एवं विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ बी॰ई॰ एवं बी॰टेक में स्नातक उपाधि अथवा उपरोक्त के समतुल्य कोई अन्य अर्हता वाले अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु अर्ह हैं।

1.3 दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता में स्नातक स्र पर 05% (पाँच प्रतिशत) की छूट दी जायेगी।

1.4 सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी या उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में शिक्षाशास्त्री (बी॰एड॰) में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों हेतु शैक्षिक अर्हता का विवरण निम्नवत है :–

1.5 **न्यूनतम 50% (पचास प्रतिशत) अंकों सहित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की त्रिवर्षीय शास्त्री परीक्षा, या द्विवर्षीय शास्त्री परीक्षा सत्र 1990 तक या विधि द्वारा स्थापित किसी अन्य विश्वविद्यालय की शास्त्री अथवा त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा तीनों वर्षों में संस्कृत सहित अथवा द्विवर्षीय शास्त्री या संस्कृत वैकल्पिक विषय सहित द्विवर्षीय स्नातक परीक्षा सत्र 1985 तक।**

1.6 *** महत्वपूर्ण नोट** :

1.6.1 ऐसे अभ्यर्थी जो वर्ष 2021 में अर्हता परीक्षा में सम्मिलित हो रहे है, वे भी इस प्रवेश परीक्षा में आवेदन करने हेतु अर्ह होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग प्रक्रिया के पूर्व न्यूनतम अर्हता धारित करना अनिवार्य होगा।

1.6.2 तीनो वर्षों में संस्कृत से अभिप्राय संस्कृत को मुख्य/कोर विषय के रुप में अध्ययन किया गया हो।